

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी, माण्डल

सुब्रह्मचन्द्र बनाम वीरू (कॉर)

केस नुक्रमा प्रा-पत्र 11-120 नं० 68 सन् 2020

क्रमांक	हुक्म या कार्यवाही नय इनिशयल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
2-620	<p>वाद / प्रार्थनापत्र वाद जाँच प्रस्तुत हुआ दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को तन्मन नोटिस जारी किये जावें । पत्रावली दिनांक 7.7.20 को पेश हो।</p> <p>उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर माण्डल</p>	
7-7-20	<p>उमय पत्र नुपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय कार्य के बाहर है। पत्रावली नर है / पदरिक्त है। अतः पत्रावली दिनांक 28.7.20 को पेश हो।</p> <p>उपखण्ड अधिकारी माण्डल</p>	
28-7-20	<p>उमय पत्र नुपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय कार्य के बाहर है। पत्रावली नर है / पदरिक्त है। अतः पत्रावली दिनांक 7.8.20 को पेश हो।</p> <p>उपखण्ड अधिकारी माण्डल</p>	
3-20	<p>पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थीगण उपस्थित, अप्रार्थीगण 02 लगायत 10 के सम्मन बादतामिल होकर प्रातः हुए जिले शा.प० किये गये, वकील प्रार्थीगण अप्रार्थीगण के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं। तहसीलदार मंडल से मौका विपरीत प्राप्त हुई जिले शा.प० की गई, पूर्व में विवाहित आरजिस्त का सीमा रान भवि कराय, अप्रार्थीगण को कितनी मर्तवा आवाजे दिलायी जाने इपरजत भी उपस्थित नहीं, इनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। वकील प्रार्थीगण का प्रार्थनापत्र स्वीकार किया जाकर निर्णय पत्र से लिखा जाकर शा.प० किया गया। पत्रावली फ़ैसल शुमर होकर दफ़्तर दाखिल हो।</p> <p>उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाड़ा</p>	<p>उपार्थीगणों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं चाहता हूँ। 7.8.20</p>



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाडा

पीठासीन अधिकारी-महीपाल सिंह, आर.ए.एस.

मुकदमा संख्या - 68/20 प्रा.पत्र

1- श्री सुरेश चन्द्र जोगेश्वर आचार्य निवासी - वागोर तहसील-माण्डल (वर्ग 1)

-प्रार्थी

बनाम

1- श्री वीसु जोगेश्वर आचार्य निवासी - वागोर तहसील-माण्डल (वर्ग 1)

[प्रा.पत्र की फोटो कंपी संलग्न है]

-विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956

दिनांक:- 7-8-20

::आदेश::

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम वागोर II पटवार हल्का वागोर II तहसील माण्डल में उसके खाते / संयुक्त खाते की आराजी नं. 4993, 4994, 4995 कुल कित्ता 03 रकबा 04 घा. बिस्वा स्थित है। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह ही होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहता है। जिसमें प्रार्थी अपने खाते/संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावें।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक 12-6-20 को पंजीबद्ध किया जाकर करण को अवलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जे काश्त काश्त की होने से पत्थरगढी कराने का अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी अभिलेख में किसी प्रकार की रा-फेरी होने का अंदेशा नहीं है तथा न किसी प्रकार अधिकार निर्धारित किये जाते हैं। अतः इन तथ्यों को खते हुए नैसर्गिक की न्यायिक सिद्धान्त के आधार पत्र स्वीकार योग्य है।

::आदेश::

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम वागोर II पटवार हल्का वागोर II तहसील माण्डल में उसके खाते/संयुक्त खाते की आराजी नं. 4993, 4994, 4995 कुल कित्ता 03 रकबा 04 घा. बिस्वा भूमि के चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी किये जाने हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू-अभिलेख निरीक्षक वागोर 400/- रुपये/- कमिश्नर फीस पर कमिश्नर नियुक्त किया जाता है। कमिश्नर फीस प्रार्थीगण मौके पर जमा करावें। कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षकरान की मौजुदगी में मौके व कब्जे की यथास्थिति को बनाये खते हुए मुस्तकील बिन्दु को आधार मानकर पत्थरगढी की जावें। फसल खडी होने पर पत्थरगढी नहीं की जावें।

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाडा

तिलिपि:- तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाडा